संतकबीर नगर के मगहर में बनेगा टेक्सटाइल व सिल्क पार्क

- बंद कताई मिल की जमीन पर पार्क को नए सिरे से विकसित करने की तैयारी
- हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग ने ग्राउंड सर्वे कराने की प्रक्रिया शुरू

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : संतकबीर नगर के मगहर समेत प्रदेश के चार जिलों में वर्षों से बंद पड़ी कताई मिल की जमीन पर नए सिरे से टेक्सटाइल और सिल्क पार्क विकसित किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग ने इसके लिए ग्राउंड सर्वे कराने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद मगहर स्थित बंद कताई मिल परिसर में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना का रास्ता साफ हो जाएगा।

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग निदेशालय के संयुक्त आयुक्त प्रमोद चंद्र ठाकुर की ओर से जारी पत्र के अनुसार प्रदेश के चार जिलों संतकबीर नगर (मगहर), जेपी नगर (अमरोहा), बरेली (बहेड़ी) और बिजनौर (नगीना) में बंद पड़ी कताई मिल की भूमि पर टेक्सटाइल और सिल्क पार्क विकसित करने का प्रस्ताव है। इन स्थानों पर उपलब्ध भूमि की वर्तमान स्थिति, उपयोगिता और आवश्यक बुनियादी ढांचे का आकलन करने के लिए विस्तृत सर्वे कराया जाएगा।

विभाग की ओर से सहायक आयुक्त ने संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क योजना के तहत संबंधित जिलों के अधिकारियों को पत्र भेजकर भूमि मांग सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। इस सर्वे के माध्यम से यह आकलन किया जाएगा कि टेक्सटाइल और सिल्क से जुड़ी इकाइयों की स्थापना के लिए कितनी भूमि की आवश्यकता होगी, कौन सा स्थान निवेश के लिहाज से अधिक उपयुक्त है और भूमि आवंटन के बाद औद्योगिक इकाइयों की स्थापना कितनी व्यावहारिक होगी। सर्वे रिपोर्ट में कामन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी), बायलर, बिजली, पानी, सड़क सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की जरूरतों को भी शामिल किया जाएगा। विभागीय सूत्रों के अनुसार सरकार की प्राथमिकता ऐसे निवेशकों को देने की है, जिन्होंने पहले से ही राज्य सरकार के साथ निवेश को लेकर एमओयू किया हुआ है। टेक्सटाइल और सिल्क पार्क की स्थापना से न केवल बंद पड़ी औद्योगिक संपत्तियों का पुनः उपयोग संभव होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। खासकर मगहर जैसे क्षेत्रों में इससे औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने, निवेश बढ़ने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।